शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं व गीतों का संकलन

इतिहास के प्रमुख युद्ध

संकलन- काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। # 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

इतिहास के प्रमुख युद्ध

01

पानीपत का द्वितीय युद्ध

24 जनवरी 1556 में मुगल,
शासक हुमायूँ का निधन हुआ।
13 वर्षीय पुत्र अकबर का तब,
14 फरवरी 1556 को राज्याभिषेक हुआ॥

7 अक्टूबर 1556 को दिल्ली की लड़ाई में जब,
हेमचन्द्र ने अकबर की सेना को पराजित किया।
22 युद्धों के अपराजित योद्धा ने फिर,
उत्तर भारत पर अपना राज किया॥

हेमचन्द्र विक्रमादित्य व अकबर के बीच,
तब एक ऐतिहासिक युद्ध हुआ।
5 नवम्बर 1556 को पानीपत मैदान में,
पानीपत का द्वितीय युद्ध हुआ॥

हेमू की आँख में लगा तीर ही,
उनकी पराजय का प्रमुख कारण बना।
अकबर, खान जमान व बैरम खाँ के लिए,
यह निर्णायक युद्ध ऐतिहासिक बना॥

रचना:- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

इतिहास के प्रमुख युद्ध

02

कलिंग का युद्ध

यह युद्ध मौर्य सम्राट अशोक,
राजा अनन्त पद्मनाभा के बीच हुआ।
कलिंग युद्ध अशोक ने जीत लिया,
अपने साम्राज्य में इसका विलय हुआ।।

सम्राट अशोक ने राज्याभिषेक के,
आठ वर्ष बाद कलिंग युद्ध लड़ा।
सामरिक दृष्टि से कलिंग उस समय,
नन्दवंश साम्राज्य में महत्वपूर्ण था बड़ा।।

कलिंग युद्ध ने सम्राट अशोक को,
मानवतावादी था बना दिया।
विचारधारा बदली परोपकार किये,
शिलालेख लिख धन को बाँट दिया।।

यह भीषण युद्ध वर्तमान उड़ीसा धौलागिरी में हुआ,
एक लाख सैनिक युद्ध में मारे खूब विनाश किया।
अशोक ने हिंसा त्यागी विचलित मन लाशें देख हुआ,
बौद्धधर्म अपनाकर के कालखण्ड को बदल दिया।।

रचयिता- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

इतिहास के प्रमुख युद्ध

03 पानीपत का प्रथम युद्ध

पानीपत में तीन बड़े,
युद्धों का इतिहास है।
पहला युद्ध जो हुआ यहाँ,
वह बहुत ही खास है।।

21 अप्रैल 1526 को,
भयंकर घड़ी थी आयी।
बाबर और इब्राहिम लोदी,
के बीच में हुई यह लड़ाई।।

पानीपत का प्रथम युद्ध,
उत्तरी भारत में लड़ा गया।
इसी युद्ध को मुगल साम्राज्य,
की आधारशिला माना गया।।

बाबर ने इब्राहिम के लाखों,
सैनिकों को हराया था।
लोदी वंश को समाप्त कर,
अपना झण्डा लहराया था।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

इतिहास के प्रमुख युद्ध

04

चौसा का युद्ध

बक्सर जिला, बिहार में स्थित,
'चौसा' गाँव जहाँ स्थान।
26 जून, सन् 1539 में,
लड़ा गया था युद्ध महान।।

मुगलों के सम्राट हुमायूँ,
शेर शाह सूरी के बीच।
अनबन हुई, युद्ध की खातिर,
लीं अपनी तलवारें खींच।।

हिन्दूबेग मुगल सेनापति,
चाहते अफगानों को भगाना।
किया अचानक रात में हमला,
शेर खाँ ने फिर युद्ध को ठाना।।

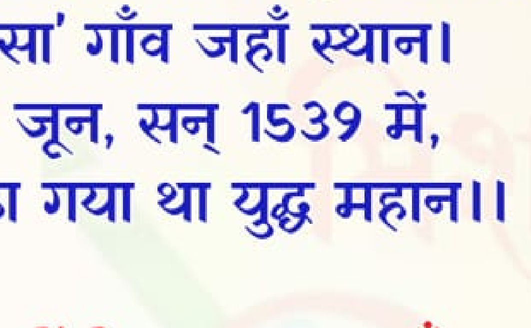

कूदे नदी गंगा में हुमायूँ,
सैनिकों के संग जान बचायी।
चौसा के उस युद्ध में बच्चों,
विजय शेर खाँ ने थी पायी।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

इतिहास के प्रमुख युद्ध

05

बक्सर का युद्ध

मीर कासिम ले आया,
अपनी राजधानी मुंगेर।
हटा के चुंगी उसने,
किया बड़ा ही फेर।।

पर कम्पनी ने माना इसे,
अपने अधिकारों का हनन।
किया 1764 में युद्ध,
जो था बड़ा अहम।।

बक्सर का युद्ध इतिहास की,
युगान्तरकारी घटना हुई।
जिसमें मीर कासिम की,
बुरी तरह पराजय हुई।।

उसके साथी थे शुजाउद्दौला,
और शाह आलम द्वितीय।
अंग्रेजों से हारे तीनों,
बना यह युद्ध अद्वितीय।।

रचना- रेनू (स०अ०)
प्रा० वि० कूँड़ी
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

इतिहास के प्रमुख युद्ध

06

भारत-पाक युद्ध (1971)

शुरू हुआ सन् 1971 में,
एक युद्ध महान।
जिसे भुलाए ना भूलेगा,
कुटिल, आवारा पाकिस्तान।।

तीन दिसम्बर 1971 को,
यह शुरू हुआ।
उन्नीस दिसम्बर 1971 को,
यह खत्म हुआ।।

पाकिस्तान ने अपने मद में,
भारत पर हमला जो किया।
फलस्वरूप भारत ने,
पूर्वी पाकिस्तान का साथ दिया।।

लघुतम युद्ध चला दिन तेरह,
'बांग्लादेश' का जन्म हुआ।
मुक्ति वाहिनी सेना संग,
भारत इस युद्ध में विजित हुआ।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

इतिहास के प्रमुख युद्ध

07

भारत-पाक युद्ध 1965

अप्रैल 1965 से सितम्बर 1965 तक,
हुआ था भारत-पाक युद्ध।
इसे कहा भी जाता है,
कश्मीर का दूसरा युद्ध।।

पाक ने घुसपैठिए भेजे,
कश्मीर में विद्रोह कराने को।
भड़का कर मासूम जनता को,
पाक में कश्मीर मिलाने को।।

यह मनसूबा विफल हुआ,
पर लोग हजारों मारे गये।
संयुक्त राष्ट्र के कहने पर,
किये युद्ध से किनारे गये।।

शास्त्री जी की अगुवाई में,
ताशकन्द में समझौता हुआ।
कश्मीर की जनता ने खुद,
पाक को आईना दिखा दिया।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

इतिहास के प्रमुख युद्ध

08

हल्दी घाटी का युद्ध

पावन पूज्य वसुधा भारत की,
भीषण युद्धों की गवाह बनी।
हल्दीघाटी की पीली मिट्टी भी,
महाराणा प्रताप की शान बनी।।

मुगल बादशाह अकबर की,
अधीनता राणा ने स्वीकार न की।
युद्ध का शंखनाद 1576 ई०को हुआ,
दोनों सेनाओं ने साहस परीक्षा दी।।

मुगल सेना के सेनापति मानसिंह,
राणा के सेनापति हकीम खाँ थे।
स्थानीय भील जाति के सूरमा भी,
महाराणा प्रताप के सहयोगी थे।।

छोटी सी टुकड़ी के संग राणा ने,
छापामार युद्ध नीति अपनायी थी।
अन्तिम समय तक हार नहीं माने,
परिवार संग घास की रोटी खायी थी।।

रचना
सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

इतिहास के प्रमुख युद्ध

09

प्लासी का युद्ध

सुनो-सुनो! प्लासी के युद्ध की गाथा,
23 जून 1757 में यह युद्ध हुआ था।
मुर्शीदाबाद नदिया जिला प्लासी बना युद्ध स्थान,
भागीरथी नदी के किनारे हुआ युद्ध घमासान।।

एक ओर ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी,
दूजी ओर थी बंगाल नवाब की सेना,
कम्पनी के रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में,
सिराजुद्दौला को पड़ा हार का मुँह देखना।।

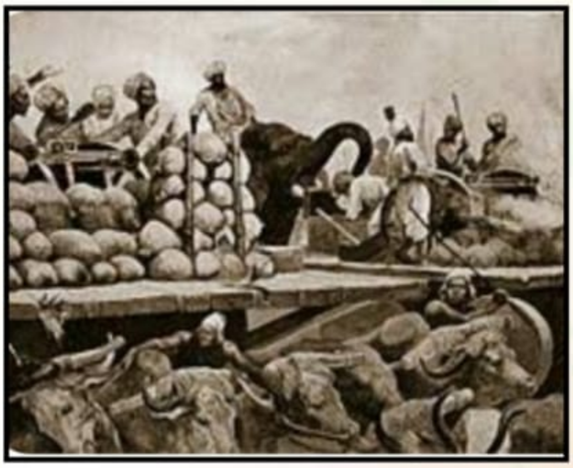

नवाब के सेनानायक, दरबारी, अमीर सेठ ने,
ब्रिटिश संग मिलकर किया यह धोखे का काम।
हार थी यह घोर षड़यन्त्र का परिणाम,
मीर जाफर ने सिराजु की हत्या को दिया अन्जाम।।

यह युद्ध भारत के लिए दुर्भाग्यपूर्ण हुआ,
भारत में इससे दासता चलन शुरू हुआ।
बंगाल में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव डली,
क्लाइव ने इसे क्रान्ति की संज्ञा दे डाली।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

इतिहास के प्रमुख युद्ध

10

द्वितीय मैसूर युद्ध

युद्ध की अवधि 1780 से 1784 थी,
प्रथम युद्ध सन्धि केवल नाम मात्र की थी।
अंग्रेजो की मनसा हैदर अली से,
बस काम निकालने की थी।

इस युद्ध में हैदर अली ने मराठों और,
हैदराबाद के निजाम का साथ दिया।
अंग्रेज कर्नल बेली को हराकर,
राजधानी अकार्ट पर अधिकार किया।।

1782 में हैदर अली की मृत्यु बाद,
टीपू सुल्तान मैसूर का शासक हुआ।
बेडनूर पर अंग्रेजों के आक्रमण को,
असफल करने में सफल हुआ।।

मद्रास सरकार ने समझ लिया,
अब युद्ध बढ़ाना आसान नहीं।
1784 में दोनों ने कर ली सन्धि,
जो फिर कहलायी मंगलौर सन्धि।।

रचना: रचना रानी शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट वि०, नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

इतिहास के प्रमुख युद्ध

11

तालिकोटा का युद्ध

सन 1565 ई० में बीजापुर में,
हिन्दू राजा सदाशिव करते थे राज।
राजा तो बस वो नाम के ही थे,
70 वर्षीय मन्त्री रामराय चलाते थे राज।।

दो लाख पैदल सेना, दस हजार घुड़सवार,
सौ हाथी होते थे, फ़ौज के साज।
200 साल तक युद्ध चलता रहा,
नहीं छिन सका हिन्दू साम्राज्य का ताज।।

बीजापुर, अहमदनगर, गोलकुण्डा, बीदर,
के शासकों ने युद्ध का मोर्चा खोला।
राजा आदिल शाह ने रामराय से,
रायचुर, मुद्गल किला वापस करने को बोला।।

25 जनवरी 1565 में,
तालिकोटा का युद्ध हुआ भारी।
गद्दारों ने मिल अपने ही,
मन्त्री की गर्दन उतारी।।

रचना- प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

इतिहास के प्रमुख युद्ध

12

कारगिल युद्ध

कारगिल में रार मच गयी,
सेना भारत पाकिस्तान में।
26 जुलाई सन 1999 में,
झण्डा फहरा कारगिल हिन्दुस्तान में।।

ऑपरेशन विजय से शुरू हुआ,
कारवां भारतीय सेना का।
लड़ना, जीतना लक्ष्य बनाया,
जंग जीतना स्वप्न था सेना का।।

देश की रक्षा की खातिर,
सरहद पर सीना ताने खड़े जवान।
दिल में बसा तिरंगा उनके,
देश की खातिर होने को बलिदान।।

जान गंवायी अगणित वीरों ने,
मातृभूमि पर किया शीश कुर्बान।
उन वीर शहीदों को स्मृतियों में,
स्मरण रखेगा पूरा हिन्दुस्तान।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 खजनी
गोरखपुर

इतिहास के प्रमुख युद्ध

13

मैसूर का प्रथम युद्ध

हुए अनेक प्रसिद्ध युद्ध अवनि में,
ऐतिहासिक है प्रथम युद्ध मैसूर का।
राज्य बचाने के खातिर हैदर अली ने,
बहादुरी से किया सामना अंग्रेजों का।।

सन् 1967 से 1969 तक युद्ध किया,
दिया जवाब अंग्रेजों की कुटिल नीति का।
सुदूर क्षेत्र तक फैला था मैसूर राज्य,
मिला है नाम जिसको अब कर्नाटक का।।

कृष्ण राय का शासन था मैसूर राज्य में,
चकियाँ राजा था यह वोडियार वंश का।
हैदरअली निपुण था घुड़सवारी-तलवार में,
प्रधान सेनापति बना मैसूर की सेना का।।

निजाम-अंग्रेजों ने किया आक्रमण मैसूर में
1968 में सूत्रपात हुआ प्रथम मैसूर युद्ध का।
नहीं टिक पायी अंग्रेजी सेना इस युद्ध में,
अंग्रेजों ने सोचा 1969 में मद्रास की सन्धि का।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

इतिहास के प्रमुख युद्ध

14

तराइन का प्रथम युद्ध

तराइन का प्रथम युद्ध 1191 में,
हुआ करनाल, कुरुक्षेत्र के बीच में।
साम्राज्य विस्तार, सुव्यवस्था हेतु,
पृथ्वीराज चौहान, मोहम्मद गौरी के बीच में।।
1190 तक मोहम्मद गौरी पंजाब में,
पूरी तरह से कब्जा कर पहुँचे पंजाब में।
पृथ्वीराज चौहान को ना था मंजूर,
वापस लाने को युद्ध किया 1191 में।।

भारी पड़ी राजपूतों की सेना,
भाग गई आक्रमणकारियों की सेना।
घायल हुआ सुल्तान मोहम्मद गौरी,
सुल्तान को लेकर भागी सेना।।
तराइन का प्रथम युद्ध इतिहास बना,
उत्तर भारत में मुस्लिम नियन्त्रित हुआ।।
इतिहास के पन्नों पर हैं गाथाएँ,
पृथ्वीराज व चन्दबरदाई की कथाएँ।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

इतिहास के प्रमुख युद्ध

15

पानीपत का तृतीय युद्ध

भारत के सैन्य इतिहास की,
एक क्रान्तिकारी घटना माना।
पानीपत का तीसरा युद्ध,
सबका जाना पहचाना।।

14 जनवरी 1761 को,
पानीपत हरियाणा में।
तृतीय पानीपत युद्ध हुआ,
अफगान और मराठा में।।

भील प्रमुख इब्राहीम खाँ गार्दी ने,
मराठों का साथ दिया।
अफगान रोहिला और शुजाउद्दौला ने,
अहमद शाह अब्दाली का साथ दिया।।

युद्धों की श्रंखला का,
अन्तिम और निर्णायक युद्ध रहा।
अहमद शाह अब्दाली इसमें,
विजेता बनकर उभरा।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

16

वांडीवाश का युद्ध

इतिहास में हुए है अनेक युद्ध,
उनमे एक है वांडीवाश का युद्ध।
अंग्रेजो और फ्रांसीसियो के बीच हुआ,
इस युद्ध ने नया इतिहास था रचा।।

सन् 1760 में तमिलनाडु था युद्धस्थल,
जहाँ मची थी युद्ध की बड़ी हलचल।
फ्रांसीसियो की हुई थी बड़ी हार,
अंग्रेजो ने मचाया था बड़ा हाहाकार। ।

पाण्डिचेरी अंग्रेजो को देना था पड़ा,
अंग्रेजो का वर्चस्व स्वीकार करना पड़ा।
युद्ध का उद्देश्य हुआ था सफल,
अंग्रेजो को सफलता हुई हासिल।

फ्रांसीसियो की शक्ति कम हो गयी,
सारी योजना शासन की टूट ही गयी।
इस युद्ध से अंग्रेजी शासन मजबूत हुआ।
अंग्रेजो का भारत मे नया उदय हुआ।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरुवा
अमौली, फतेहपुर

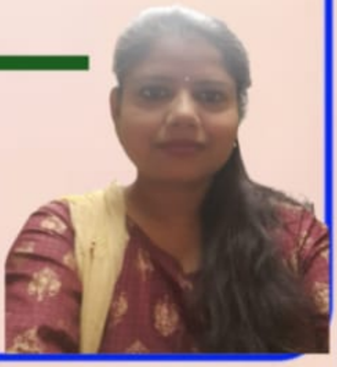

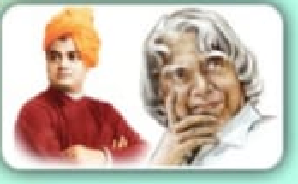

इतिहास के प्रमुख युद्ध

17

तराइन द्वितीय युद्ध

भारतीय इतिहास में विशेष मोड़,
तराइन द्वितीय युद्ध कहलाता है।
यह युद्ध आधुनिक दिनो में,
तरौरी हरियाणा के अंतर्गत आता है।।

पृथ्वी राज चौहान द्वारा संयोगिता,
का हरण जयचन्द को खलने लगा।
उसने शहाबुद्दीन और मोहम्मद गौरी,
का खूब उत्साहित होकर समर्थन किया।।

अधिकांश राजपूत राजाओं ने इस,
युद्ध में पृथ्वी राज का साथ नहीं दिया।
इस कारण बाहरी आक्रमणकारियों का
भारत में बहुत वर्चस्व सा बनने लगा।।

1191 मे तराइन प्रथम युद्ध लड़ा गया,
जिसमें मुहम्मद गौरी को हरा दिया गया।
बदले की भावना से मोहम्मद गौरी ने,
पृथ्वी राज चौहान को युद्ध में हरा दिया।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

इतिहास के प्रमुख युद्ध

18

खानवा का युद्ध

खानवा का युद्ध 16 मार्च 1527 को,
बाबर एवं राणा सांगा के मध्य हुआ।
पानीपत के युद्ध के बाद बाबर द्वारा,
यह दूसरा बड़ा युद्ध लड़ा गया।।

बाबर को निष्कासित करने के लिए,
राणा सांगा ने अफगान सरदारों से समर्थन लिया।
बाबर ने सैनिकों का मनोबल, शराब का,
पुरजोर विरोध कर बढ़ा दिया।।

बाबर सम्पूर्ण भारत का इकलौता शासक,
स्वयं बन जाना चाहता था।
जबकि राणा सांगा का मन एक,
हिन्दू साम्राज्य की स्थापना चाहता था।।

लम्बी लड़ाई से थककर बाबर ने,
मेवाड़ पर चढ़ाई न करने का फैसला किया।
अपने ही सरदारों द्वारा जहर देने के कारण,
30 जनवरी 1528 को राणा सांगा का निधन हुआ।।

ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

इतिहास के प्रमुख युद्ध

19

भारत-चीन युद्ध

भारत-चीन का युद्ध 1962 में,
सीमा विवाद के रूप में जाना जाता है।
भारत द्वारा दलाई लामा को शरण देना भी,
इसका एक कारण माना जाता है।।

इस युद्ध में ज्यादातर लड़ाई,
14000 फीट से अधिक ऊँचाई पर लड़ी गयी।
भले ही चीन ने इस युद्ध में विजय प्राप्त की,
पर विश्वभर में उसकी छवि खराब हो गयी।।

इस भीषण युद्ध के बाद भारतीय सेना में,
बहुत से बदलाव किये गये।
भविष्य में इसी तरह के संघर्ष,
के लिए दल-बल तैयार किये गये।।

इस युद्ध के बाद भारतवासियों में,
देशभक्ति की एक नयी लहर की शुरुआत हुई।
अपने देश की मजबूती के लिए,
भाईचारे वाली विदेश नीतियाँ बनायी गयीं।।

रीना कुमारी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

इतिहास के प्रमुख युद्ध

20

झाँसी का युद्ध

अंग्रेज़ी साम्राज्य की समाप्ति,
हेतु जब सबने मन में ठानी थी।
झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने भी,
तब लिखी नई कहानी थी।।

प्रथम वीरांगना अवन्तिबाई,
द्वितीय थी रानी लक्ष्मीबाई।
उन्तिस वर्ष की आयु में,
रणभूमि में वीरगति पायी।।

1857 के संग्राम में झाँसी,
हिंसा की आग भड़की थी।
स्वयं सेवक बन रानी खुद,
सेना का नेतृत्व करती थी।।

ओरछा, दतिया के राजाओं ने,
झाँसी पर आक्रमण किया।
अपनी योजना से रानी ने,
सफलतापूर्वक विफल किया।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

इतिहास के प्रमुख युद्ध

रचनाकारों की सूची

01- शिप्रा सिंह, फतेहपुर	11- प्रेमचन्द, मेरठ
02- नैमिष शर्मा, मथुरा	12- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
03- पूनम गुप्ता, अलीगढ़	13- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
04- शिखा वर्मा, सीतापुर	14- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
05- रेनू, वाराणसी	15- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
06- अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी	16- इला सिंह, फतेहपुर
07- भावना शर्मा, मेरठ	17- नीलम भास्कर, बागपत
08- सीमा मिश्रा, फतेहपुर	18- ज्योति सागर, बागपत
09- रीना काकरान, मेरठ	19- रीना कुमारी, बागपत
10- रचना रानी शर्मा, मेरठ	20- शहनाज़ बानो, चित्रकूट

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन- काव्य मंजरी टीम